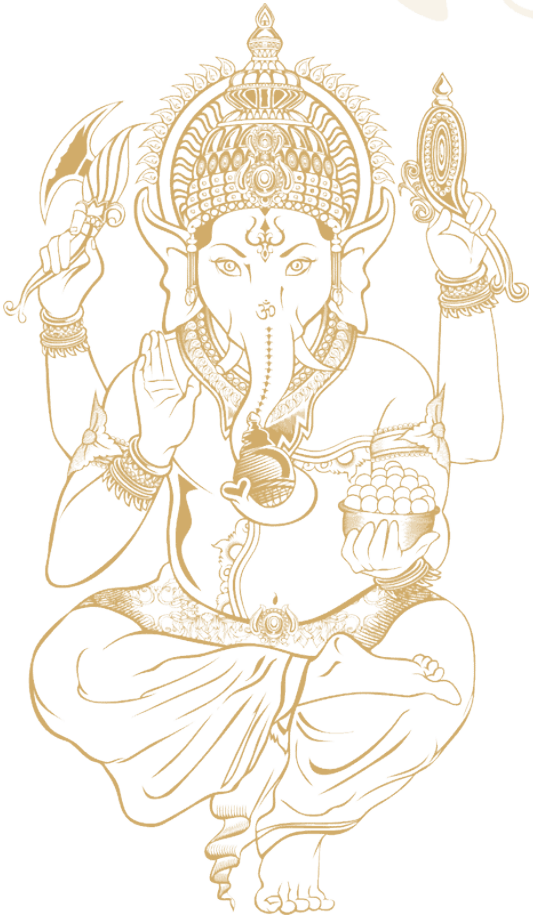

Satwinder Kaur

05 Feb 1990

05:00 AM

Kapurthala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448309

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/02/1990**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	54:11:41 घटी
स्थान	**Kapurthala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:20:00 उत्तर
रेखांश	75:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:31:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:57 घंटे
साम्पातिक काल	13:31:11 घंटे
सूर्योदय	07:19:19 घंटे
सूर्यास्त	18:05:22 घंटे
दिनमान	10:46:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:10:34 मकर
लग्न के अंश	13:17:02 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:17:02	344:59:46	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मक	22:10:34	01:00:49	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	21:08:46	14:03:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			धनु	10:53:17	00:43:24	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			धनु	27:20:58	01:09:49	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	07:44:09	00:03:53	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र	व		धनु	27:26:11	00:08:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			धनु	25:56:38	00:06:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु			मक	22:46:08	00:00:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
केतु			कर्क	22:46:08	00:00:10	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	14:00:28	00:03:01	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
नेप			धनु	19:34:11	00:01:59	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	24:00:15	00:00:31	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			तुला	00:53:31	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:20

लग्न-चलित

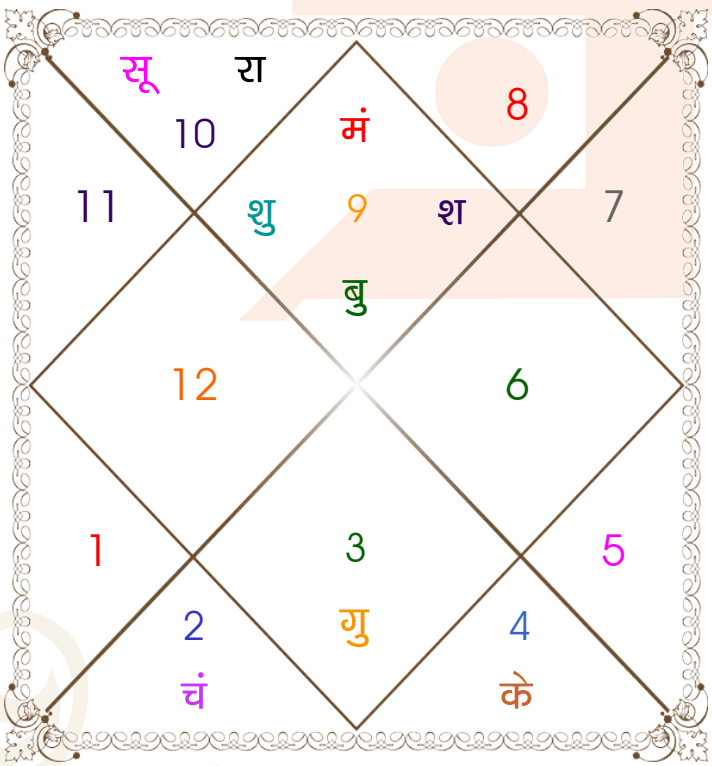

चन्द्र कुंडली

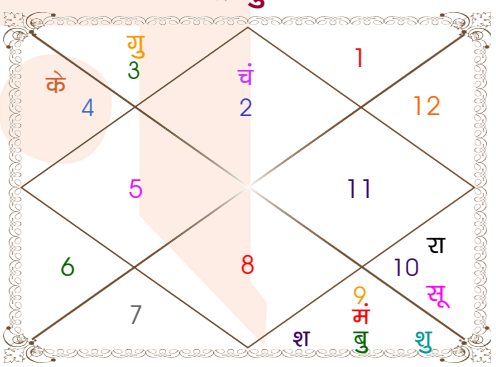

नवमांश कुंडली

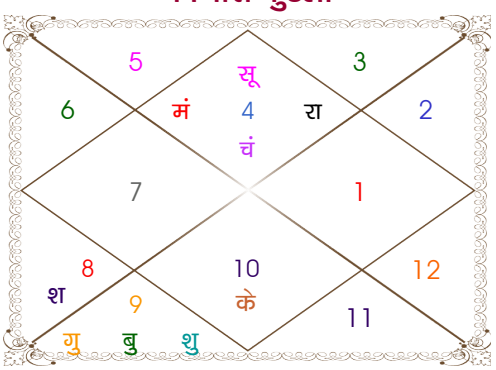

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 7 मास 20 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/02/1990		27/09/1991		27/09/1998		26/09/2016		26/09/2032	
27/09/1991		27/09/1998		26/09/2016		26/09/2032		27/09/2051	
	00/00/0000	मंगल	23/02/1992	राहु	09/06/2001	गुरु	14/11/2018	शनि	30/09/2035
	00/00/0000	राहु	13/03/1993	गुरु	02/11/2003	शनि	28/05/2021	बुध	09/06/2038
	00/00/0000	गुरु	16/02/1994	शनि	08/09/2006	बुध	03/09/2023	केतु	19/07/2039
	00/00/0000	शनि	28/03/1995	बुध	28/03/2009	केतु	08/08/2024	शुक्र	17/09/2042
	00/00/0000	बुध	24/03/1996	केतु	15/04/2010	शुक्र	09/04/2027	सूर्य	30/08/2043
	00/00/0000	केतु	21/08/1996	शुक्र	15/04/2013	सूर्य	27/01/2028	चंद्र	31/03/2045
	05/02/1990	शुक्र	21/10/1997	सूर्य	10/03/2014	चंद्र	28/05/2029	मंगल	10/05/2046
शुक्र	28/03/1991	सूर्य	26/02/1998	चंद्र	09/09/2015	मंगल	04/05/2030	राहु	16/03/2049
सूर्य	27/09/1991	चंद्र	27/09/1998	मंगल	26/09/2016	राहु	26/09/2032	गुरु	27/09/2051

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/09/2051		26/09/2068		27/09/2075		27/09/2095		27/09/2101	
26/09/2068		27/09/2075		27/09/2095		27/09/2101		00/00/0000	
बुध	23/02/2054	केतु	22/02/2069	शुक्र	26/01/2079	सूर्य	14/01/2096	चंद्र	29/07/2102
केतु	20/02/2055	शुक्र	24/04/2070	सूर्य	27/01/2080	चंद्र	15/07/2096	मंगल	27/02/2103
शुक्र	21/12/2057	सूर्य	30/08/2070	चंद्र	26/09/2081	मंगल	20/11/2096	राहु	28/08/2104
सूर्य	27/10/2058	चंद्र	31/03/2071	मंगल	26/11/2082	राहु	15/10/2097	गुरु	28/12/2105
चंद्र	27/03/2060	मंगल	27/08/2071	राहु	26/11/2085	गुरु	03/08/2098	शनि	29/07/2107
मंगल	25/03/2061	राहु	14/09/2072	गुरु	27/07/2088	शनि	16/07/2099	बुध	27/12/2108
राहु	12/10/2063	गुरु	21/08/2073	शनि	27/09/2091	बुध	22/05/2100	केतु	28/07/2109
गुरु	17/01/2066	शनि	30/09/2074	बुध	28/07/2094	केतु	27/09/2100	शुक्र	06/02/2110
शनि	26/09/2068	बुध	27/09/2075	केतु	27/09/2095	शुक्र	27/09/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 7 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।